Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:39 PM Page 1

प्रयास

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र के उपयोग हेतु

शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शिका

भाग-2

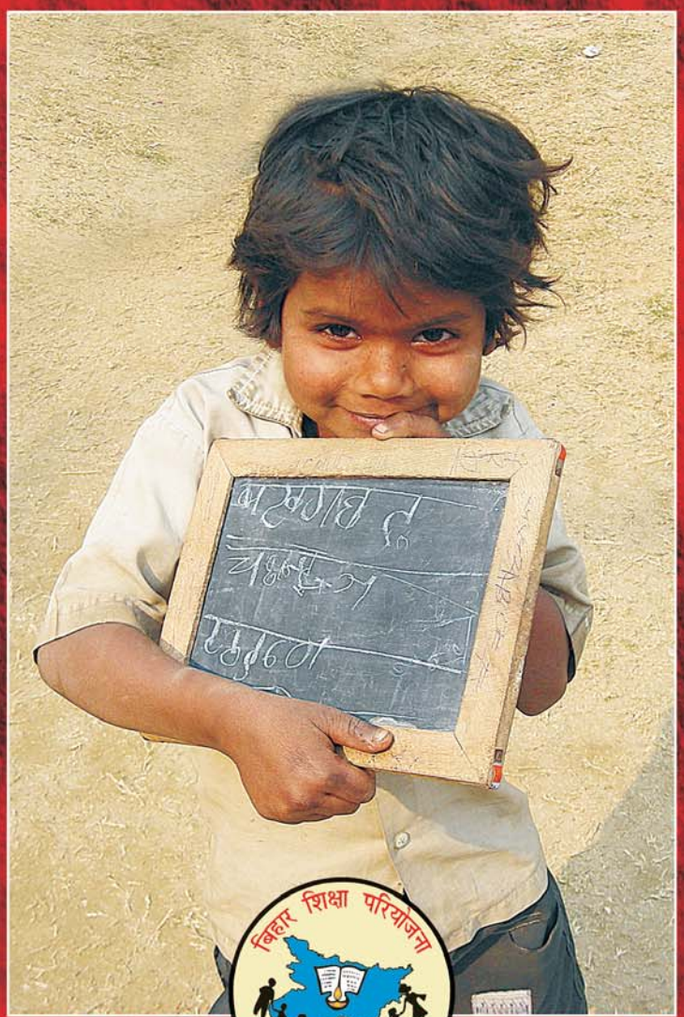

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद

शिक्षा भवन, राष्ट्रभाषा परिषद् परिसर, सैदपुर, पटना-4

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:39 PM Page 2

प्रार्थना

हर देश में तू हर वेश में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व धरा,
सब खेल में, मेल में, तू ही तो है।

सागर से उठा बादल बनकर,
बादल से गिरा जल होकर के।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है।

मिट्टी से अणु परमाणु बना,
दिव्य जगत का रूप लिया।
फिर पर्वत वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:39 PM Page 3

प्रयास

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र के उपयोग हेतु

शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शिका

भाग–2

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना

शिक्षा भवन, राष्ट्रभाषा परिषद् परिसर, सैदपुर, पटना-4

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:39 PM Page 4

प्रकाशक

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्

शिक्षा भवन, राष्ट्रभाषा परिषद् परिसर, सैदपुर, पटना-4

इमेलः ssabihar@hotmail.com

वेबसाईट : www.bepcssa.org

© बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना

अवधारणा, प्रबंधन एवं मार्गदर्शन

- दीपक कुमार सिंह, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी एवं
  बबन तिवारी, अपर राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी

संदर्शिका विकास कार्यशाला के प्रतिभागी

- धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना।
- नीरज कुमार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना।
- रामप्रीत प्रसाद चौधरी, शिक्षक, वैशाली।
- अखिलेश कुमार सिंह, शिक्षक, वैशाली।
- कुमार सुनील सिंह, शिक्षक, मुंगेर।
- कार्तिक झा, शिक्षक, लखीसराय।
- राम सज्जन सिंह, शिक्षक, पटना।
- राज नन्दन पोद्दार, शिक्षक, अररिया।
- जय प्रकाश सिंह, विद्या भवन सोसाईटी, पटना ।
- राम बाबू आर्य, ज्ञान विज्ञान समीति, बिहार, पटना।
- जैनन्द्र कुमार, केयर इंडिया, पटना।

मुद्रण, आवरण एवं पृष्ठ-सज्जा

- संतोष कुमार श्रीवास्तव
  डिजाइन स्टूडियो, पटना, मो.- 8409999333

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:39 PM Page 5

राज्य परियोजना निदेशक की कलम से ...

सर्व शिक्षा अभियान के तहत विद्यालय से बाहर के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया जिसके परिणाम अब मुखर होने लगे हैं।

वैकल्पिक एवं नवाचारी शिक्षा अपने उद्देश्यों की संप्राप्ति दिनानुदिन कर रही है। अपने हस्तक्षेपों को स्वावलम्बी और सशक्त बनाने के जो प्रयास इस संभाग द्वारा हुए उनमें ब्रिज मेटेरियल्स और शिक्षक संदर्शिकाएँ भी महत्वपूर्ण हैं।

प्रस्तुत प्रशिक्षण माड्यूल विशेष प्रशिक्षण केन्द्रों के संचालन, स्वयंसेवकों के दायित्वों एवं बच्चों के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ–साथ स्वयंसेवकों को सक्षम बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

मॉड्यूल निर्माण कार्यशाला से जुड़े पदाधिकारीगण एवं प्रतिभागी साधुवाद के पात्र हैं। सभी सुधिजनों से अपेक्षा है कि अपने बहुमूल्य सुझाव देकर आगामी प्रकाशन को और बेहतर बनाने में हमारा सहयोग करें।

राहुल सिंह, आई.ए.एस.
राज्य परियोजना निदेशक,
बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:40 PM Page 6

साधनसेवियों के लिए सामान्य निर्देश

- प्रशिक्षण के पूर्व सभी आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर लें।
- प्रशिक्षण प्रारंभ होने के पूर्व साधनसेवी आपस में प्रशिक्षण की विषय वस्तु पर चर्चा करते हुए कार्यों का बंटवारा कर लें।
- प्रशिक्षण के पूर्व निबंधन पंजी, उपस्थिति पंजी तैयार कर लें।
- प्रतिभागियों के बैठने हेतु पर्याप्त स्थान, हवादार व प्रकाशयुक्त हो।
- प्रशिक्षण कक्ष में एक दीवार घड़ी अवश्य हो।
- प्रशिक्षण कक्ष की दो-तीन दीवारों के साथ रस्सी तनी होनी चाहिये एवम् उसके साथ पेपर क्लिप लगी रहनी चाहिये।
- प्रशिक्षण के प्रारंभ में ही प्रशिक्षण से संबंधित सारी बातें स्पष्ट कर देनी चाहिये।
- प्रशिक्षण सहभागिता आधारित हो। सभी प्रतिभागियों को बोलने का अवसर प्रदान करें।
- समूह का निर्माण खेल एवम् गतिविधियों से करें तथा प्रत्येक समूह का नाम शिक्षाविद्, लेखाक के नाम पर रख सकते हैं।
- प्रशिक्षण में एकरसता को तोड़ने के लिए खेल, कविता, गीत, कहानी चुटकुले आदि का प्रयोग करें किन्तु अधिकता से बचे।
- प्रत्येक दिन सत्र समाप्ति के उपरांत पूरे दिन के कार्यों की समीक्षा 10 मिनट में सदन के अंदर करायें।

समय-सारणी

प्रथम सत्र	–	9.30 बजे पूर्वाह्न से 1.00 बजे अपराह्न तक
चाय	–	11.30 बजे पूर्वाह्न से 11.45 बजे पूर्वाह्न तक
भोजनावकाश	–	1.00 बजे अपराह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
दूसरा सत्र	–	2.00 बजे अपराह्न से 5.00 बजे अपराह्न तक
चाय	–	3.30 बजे अपराह्न से 3.45 बजे अपराह्न तक

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:40 PM Page 7

अनुक्रम

पहला दिन

प्रथम सत्र

- निबंधन
- प्रार्थना
- अभियान गीत
- प्रतिवेदन–लेखन
- डायरी–लेखन
- केन्द्र संचालन के अनुभव
- प्रशिक्षण के उद्देश्य

दूसरा सत्र

- पाठ्य–पुस्तक की समझ
- प्रयास हिन्दी भाग–2

चौथा दिन

प्रथम सत्र

- पाठ–प्रदर्शन एवं चर्चा

दूसरा सत्र

- अंग्रेजी भाषा की तैयारी
- अंग्रेजी प्रयास भाग–1 की तैयारी

दूसरा दिन

प्रथम सत्र

- भाषा– पाठ प्रदर्शन

दूसरा सत्र

- पर्यावरण – पाठ प्रदर्शन

तीसरा दिन

प्रथम सत्र

- गणित भाग–2 का पाठ–प्रदर्शन

दूसरा सत्र

- गणित भाग–2 की पाठ प्रस्तुति की तैयारी

पाँचवाँ दिन

प्रथम सत्र

- अंग्रेजी प्रयास भाग–1 का पाठ–प्रदर्शन

दूसरा सत्र

- मूल्यांकन
- मुख्यधारा से जुड़ाव
- उपचारात्मक शिक्षण
- चाइल्ड ट्रैकिंग

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:40 PM Page 8

शिक्षक प्रशिक्षण संदर्शिका

भाग–2

का उपयोग

यह प्रशिक्षण संदर्शिका प्रतिभागियों में सूचना एवं कौशल विकसित करने में सहायक होगी। साथ ही, प्रशिक्षणोपरांत, प्रतिभागियों की अभिवृति में भी परिवर्त्तन नज़र आएगा।

प्रस्तुत संदर्शिका का उपयोग कर साधनसेवी प्रशिक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। इसके लिए आवश्यक होगा कि प्रशिक्षण प्रारंभ करने के पूर्व साधनसेवी इस संदर्शिका का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें। प्रत्येक दिन सत्र संचालन हेतु आवश्यक सामग्रियों की पूर्व में ही व्यवस्था कर लें। सत्र संचालन हेतु अपनायी गई विधियों की स्पष्ट समझ रखें तथा अगले दिन प्रशिक्षण संचालन के लिए आपस में कार्यों का बँटवारा कर लें।

इस संदर्शिका में प्रयास केन्द्र पर उपयोग में लाई जानेवाली पाठ्यपुस्तकों की पाठ्य–सामग्रियों के उपयोग की विधियों पर पर्याप्त बल दिया गया है। अत: वर्गकक्ष विनिमयन में दक्ष बनाने के लिए भी यह मार्गदर्शिका सहायक होगी।

प्रयास भाषा की पुस्तक में सन्निहित पर्यावरण के तथ्यों का पाठानुसार वर्णन 'परिशिष्ट' में किया गया है जिसका उपयोग प्रशिक्षण एवं वर्गकक्ष दोनों में सरलता से किया जा सकता है। अतएव इस परिशिष्ट का उपयोग प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से करें तथा इसका उपयोग कक्षा में करने हेतु प्रेरित करें।

साधनसेवी स्वयं समयनिष्ठ हों तथा प्रतिभागियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। महिलाओं का आदर करें। प्रशिक्षण कक्ष एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें। हर संभव प्रयास करें कि संप्रेषण दो तरफा हो। प्रतिभागियों के विचारों का आदर करते हुए उन्हें विचार अभिव्यक्ति का पर्याप्त अवसर दें।

प्रशिक्षण में आए प्रतिभागियों की शैक्षिक आवश्यकताओं को समझ कर उसका समाधान करने का हर संभव प्रयास करें तथा समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के उपयोग पर बल दें।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:40 PM Page 9

पहला दिन

प्रथम सत्र

निबंधन / प्रार्थना / अभियान गीत / प्रतिवेदन–लेखान / डायरी–लेखान

■ प्रतिभागियों का निबंधन निम्न बिन्दुओं के आलोक में दिये गए प्रारूप में करें :–

क्रम सं.	प्रतिभागियों के नाम	शैक्षिक योग्यता	केन्द्र का नाम	विद्यालय का नाम	संकुल संसाधन केन्द्र का नाम	प्रखंड	दूरभाष नम्बर

नोट :

- ■ निबंधन के पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि निबंधन उन्हीं प्रतिभागियों का किया गया है जो केन्द्र से विरमन–पत्र लेकर आए हैं।
- ■ निबंधन के पश्चात क्रमशः प्रतिभागियों को पैड, कलम आदि प्रशिक्षण–सामग्री उपलब्ध कराएँ।

अभियान गीत

- ■ प्रतिभागियों को गोल घेरे में खड़ा कर अभियान गीत से सदन की कार्रवाई आरम्भ करें।
- ■ साथ में प्रेरक–प्रसंग इत्यादि से प्रतिभागियों में जागरूकता पैदा करें।

परिचय

- ■ प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए साधनसेवी रूमाल की एक गेंद बना लेंगे और यह निर्देश दे देंगे कि यह गेंद जिसके पास जायेगी उसे निम्न बिन्दुओं के आलोक में अपना परिचय देना होगा।

  नाम –

  शैक्षिक योग्यता –

  केन्द्र का नाम एवं प्रखण्ड –

  हुनर / कौशल –

  विद्यालय से बाहर के बच्चों को देखकर आपको कैसा लगता है ?

  साधनसेवी परिचय के बिन्दुओं को श्यामपट पर अंकित कर देंगे।

- – अपना परिचय देने के पश्चात प्रतिभागी रूमाल को दूसरे प्रतिभागी की ओर उछाल

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:40 PM Page 10

देंगे और गेंद जिनके पास आयेगी उसे अपना परिचय सदन में बताना होगा। यह प्रक्रिया अंतिम प्रतिभागी तक चलेगी।

प्रतिवेदक–चयन, प्रतिवेदन–लेखन, डायरी–लेखन

- प्रत्येक दिन चार प्रतिभागियों का चयन प्रतिवेदन–लेखन के लिए किया जाए। जिसमें दो भोजन के पूर्व तथा दो भोजन के बाद का प्रतिवेदन लिखेंगे।
- प्रतिवेदक अपना प्रतिवेदन दूसरे दिन सदन में प्रस्तुत करेंगे।
- प्रतिवेदक प्रशिक्षण का नाम, स्थान, दिनांक, सत्र इत्यादि अवश्य अंकित कर दिया करेंगे।
- सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण के कार्य–कलापों की डायरी भी तैयार करेंगे ताकि प्रतिवेदन के साथ किन्हीं दो प्रतिभागियों की डायरी का वाचन भी सदन में किया जा सके।

केन्द्र–संचालन के अनुभव

उद्देश्य

- केन्द्र–संचालन की व्यवहारिक कठिनाइयों को जानना।

सामग्री

- चार्ट पेपर, स्केच पेन, श्याम–पट, खल्ली, डस्टर इत्यादि।

प्रक्रिया

- साधनसेवी सदन के समक्ष यह प्रश्न रखें –

– केन्द्र–संचालन के दौरान आपके समक्ष कुछ कठिनाइयाँ आयी होंगी, जो निम्नलिखित क्षेत्रों में हो सकती है –

क्रम.सं.	समस्या का क्षेत्र
1.	समुदाय से संबंधित
2.	बच्चो का ठहराव
3.	बच्चो की उपलब्धि/ प्रगति
4.	प्रशासनिक/विभागीय
5.	अन्य

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:41 PM Page 11

- मानस-मंथन के दौरान उभरे-बिन्दुओं को चार्ट पेपर पर अंकित कर चर्चा करें।
- चार्ट पेपर को दो भागों में विभक्त कर एक ओर समस्याएँ एवं दूसरी ओर समाधान अंकित कर साधनसेवी सदन में टाँग दें एवं समस्याओं के समाधान को समेकित करते हुए सदन की सहमति बनाएँ।

क्रम.सं.	समस्या का क्षेत्र	समस्या का प्रकार	समाधान के लिए किए गये प्रयास
1.	समुदाय से संबंधित		
2.	बच्चो का ठहराव		
3.	बच्चो की उपलब्धि/ प्रगति		
4.	प्रशासनिक/विभागीय		
5.	अन्य		

विद्यालय से बाहर के बच्चों के प्रति संवेदनशील बनाना एवं संक्षेप में साधनसेवी द्वारा प्रस्तुति

प्रशिक्षण के उद्देश्य

उद्देश्य

- प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों से परिचित कराना।

सामग्री

- श्याम-पट, खल्ली, डस्टर इत्यादि

प्रक्रिया

- साधनसेवी केन्द्र संचालन की व्यवहारिक कठिनाइयों का समेकन करते हुए संक्षिप्त चर्चा करें।
- प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण की उपयोगिता एवं उद्देश्यों से परिचित कराएँ।
- सम्भाषण द्वारा उद्देश्यों को स्पष्ट करना।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:41 PM Page 12

दूसरा सत्र

पाठ्यपुस्तक की समझ

उद्देश्य

- प्रयास हिन्दी भाग–2 की पाठ्यपुस्तक की समझ पैदा करना।
- प्रयास हिन्दी भाग–2 की पाठ्यपुस्तक से पर्यावरण अध्ययन की विषय–वस्तु की समझ पैदा करना।

सामग्री

- चार्ट–पेपर, स्केच पेन, शार्पनर, रबड़, पेन्सिल इत्यादि

प्रक्रिया

- प्रयास हिन्दी भाग–2 की पाठ्य–पुस्तक की आठ प्रतियाँ।
- साधन सेवी पूरे सदन को आठ समूहों में विभाजित कर दें।
- प्रथम पाँच समूहों को भाषा एवं छठे, सातवें और आठवें समूह को पर्यावरण अध्ययन पर निम्न बिन्दुओं के आलोक में स्वाध्याय के लिए कहें :–

  समूह संख्या 01 – कविता
  समूह संख्या 02 – कहानी
  समूह संख्या 03 – चित्रकथा
  समूह संख्या 04 – वार्त्तालाप
  समूह संख्या 05 – निबंध
  समूह संख्या 06 – पाठ 01 से 06 तक
  समूह संख्या 07 – पाठ 07 से 12 तक
  समूह संख्या 08 – पाठ 13 से 18 तक

स्वाध्याय निम्न बिन्दुओं के आलोक में करें :–

- आवंटित पाठ में अधिगम–बिन्दु (सीखने के बिन्दु) कौन–कौन से हैं?
- इसके लिए आवश्यक गतिविधि और टी.एल.एम. कौन–कौन से हो सकते हैं?
- इसकी विषय–वस्तु के प्रेषण की प्रक्रिया क्या होगी?
- पाठ–प्रस्तुति के समय मूल्यांकन कैसे करेंगे?
- मूल्यांकन के पश्चात् किन–किन बातों की पुनरावृत्ति आवश्यक होगी?
- प्रशिक्षण चर्चा रोचक बनाने हेतु अन्य समय चुटकुला, गीत, मनोरंजक कार्य इत्यादि का उपयोग कर सकते हैं।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:41 PM Page 13

भाषा–समूह उपर्युक्त बिन्दुओं के आलोक में पाठ–प्रदर्शन की तैयारी करें। पर्यावरण अध्ययन के समूह आवंटित पाठों से पर्यावरण की विषय–वस्तु, क्रियाशीलन, सम्भावित प्रश्नों की सूची तैयार करें।

- पर्यावरण अध्ययन के समूह अपने द्वारा चुनी गयी विषय–वस्तुओं की सूची से किसी एक विषय पर उपर्युक्त बिन्दुओं के आलोक में पाठ–प्रदर्शन की तैयारी करें।
- प्रत्येक समूह को 20 मिनट का समय आवंटित करें।
- प्रत्येक समूह की प्रस्तुति अगले दिन होगी।

समूह की प्रस्तुति के क्रम में निम्नांकित बिन्दुओं के आलोक में अवलोकनकर्त्ता समूह अवलोकन करेंगे।

कैसे ?	**क्या-क्या ?**
■ वातावरण–निर्माण	■ शिक्षण–कौशल
■ प्रस्तावना	■ विषय की समझ
■ विषय–वस्तु का विस्तार	■ गतिविधि
■ पुनरावृत्ति के प्रश्न	■ टी.एल.एम.
■ तार्किक क्रमबद्धता	■ .....

- अगले दिन की तैयारी के लिए चार्ट–पेपर एवं स्केच पेन प्रत्येक समूह को उपलब्ध कराया जाए।
- रात्रि–कार्य के रूप में प्रत्येक समूह को आवंटित विषय–वस्तु पर अगले दिन के पाठ–प्रदर्शन की पूरी तैयारी कर लेने को कहें।
- अवलोकन के लिए समूह कुछ इस प्रकार हो सकते हैं :–

पाठदाता समूह		**अवलोकनकर्त्ता समूह**
समूह संख्या 01	–	समूह संख्या 08
समूह संख्या 02	–	समूह संख्या 07
समूह संख्या 03	–	समूह संख्या 06
समूह संख्या 04	–	समूह संख्या 05

- प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के पश्चात सर्वप्रथम अवलोकनकर्त्ता समूह द्वारा 5 मिनट में प्रतिक्रिया देने को कहें। तदुपरान्त अन्य समूहों के सुझाव लें।
- प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के पश्चात बड़े समूह में साधनसेवी द्वारा उसका विश्लेषण किया जाएगा।

रात्रि–कार्य

पाठ प्रस्तुति की तैयारी।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:41 PM Page 14

दूसरा दिन

प्रथम सत्र

चेतना सत्र – पूर्व निर्देश के आलोक में।

भाषा : पाठ प्रदर्शन

उद्देश्य

- पाठ्यपुस्तक की विषय–वस्तु से परिचित कराना।
- वर्ग संचालन की दक्षता पैदा करना।

सामग्री

- श्याम–पट, खल्ली, डस्टर, पूर्व से दी गई सामग्री।

प्रक्रिया

- साधनसेवी पूर्व से दिये गये निर्देश के आलोक में पाठ–प्रदर्शन कराएँ।
- बारी–बारी से समूह की प्रस्तुति, अवलोकनकर्त्ता की प्रस्तुति एवं बड़े समूह में चर्चा की जाए।
- पाठ–प्रदर्शन पर उनका धन्यवाद ज्ञापन एवं उत्साहवर्द्धन किया जाए।
- पाठ–प्रस्तुति के पूर्व पाठदाता समूह का सहयोग करें एवं उन्हें अपनी पाठ–योजना सदन में टाँग देने को कहें।
- प्रथम–सत्र में भाषा के पाँचों समूहों की प्रस्तुति अवश्य करा ली जाए।
- प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के पश्चात् साधनसेवी बड़े समूह द्वारा चर्चा से उभरे बिन्दुओं का समेकन एवं विश्लेषण करें।

दूसरा सत्र

पर्यावरण अध्ययन : पाठ प्रदर्शन

उद्देश्य

- भाषा की पाठ्यपुस्तक से पर्यावरण की विषय–वस्तु को जानना।
- पर्यावरण अध्ययन के विषय पर पाठ–प्रदर्शन।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:42 PM Page 15

सामग्री

- चार्ट पेपर, श्याम पट, स्केच पेन, खल्ली, डस्टर इत्यादि।

प्रक्रिया

- साधनसेवी पर्यावरण अध्ययन के समूहों से पर्यावरण अध्ययन के किसी एक विषय पर पाठ प्रस्तुति करने को कहें।
  - पाठ प्रस्तुति के पश्चात अवलोकनकर्त्ता समूह एवं सदन द्वारा चर्चा के पश्चात् साधनसेवी इसका विश्लेषण करेंगे।
  - साधनसेवी प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के पश्चात् पाठदाता समूह को धन्यवाद ज्ञापन ज़रूर करें।
  - साधनसेवी पर्यावरण अध्ययन के सम्भावित प्रश्न, गतिविधियों तथा परियोजना–कार्य के लिए दिये गये परिशिष्ट को अवश्य पढ़ें।
  - परिशिष्ट की विषय–वस्तु पर चर्चा एवं नई परियोजना भी निर्मित की जा सकती है।
  - परिशिष्ट – I में प्रदत्त पाठ के अनुसार पर्यावरण के तथ्यों पर चर्चा करें तथा उठाये गए प्रश्नों एवं क्रियाशीलनों के महत्त्व को भी स्पष्ट करें।

रात्रि कार्य :

प्रयास भाषा–2 अभ्यास पुस्तिका का अध्ययन।

तीसरा दिन

चेतना सत्र – पूर्व निर्देश के आलोक में।

प्रथम सत्र

गतिविधि–1

प्रयास गणित भाग–2 की समझ

उद्देश्य

- प्रयास गणित भाग–2 के पाठ्य–क्रम (विषय–वस्तु) की समझ पैदा करना

सामग्री

- चार्ट पेपर एवं स्केच पेन।

प्रक्रिया

- साधनसेवी प्रयास गणित भाग–2 की पाठ्यपुस्तक सदन को पाँच समूहों में बाँटकर उपलब्ध करा दें।
- प्रत्येक समूह को निम्नांकित पाठ आवंटित कर स्वाध्याय के लिए 20 मिनट का समय दें।

  समूह संख्या 01–
  समूह संख्या 02–
  समूह संख्या 03– | समूह संख्या के आलोक में पाठों का बँटवारा करें।
  समूह संख्या 04–
  समूह संख्या 05–

- स्वाध्याय के लिए प्रत्येक समूह को यह निर्देश दिया जाए कि आपको आवंटित पाठों से कठिन बिन्दुओं का चयन करना है और उनकी सूची बनानी है।
- प्रत्येक समूह से उनके द्वारा दर्शाए बिन्दुओं को निम्न प्रारूप में लिखाकर उसकी प्रस्तुति कराएँ –

कठिन बिन्दु	ये बिन्दु कठिन क्यों हैं ?	किसके लिए कठिन बिन्दु हैं ?

- प्रस्तुति के पश्चात् साधनसेवी कठिन बिन्दु क्यों? और किसके लिए? का विश्लेषण करते हुए सब के सहयोग से समाधान करें।
- धन्यवाद–ज्ञापन कर दूसरी गतिविधि करें।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:42 PM Page 17

गतिविधि –2

प्रयास गणित, भाग–2 के पाठ–प्रदर्शन का अभ्यास

उद्देश्य

- विषय–वस्तु के कार्यान्वयन की समझ पैदा करना।
- वर्ग–कक्ष विनिमयम की समझ पैदा करना।
- वास्तविक स्थिति में कक्षा संचालन की समझ पैदा करना।

सामग्री

- चार्ट पेपर, स्केच पेन इत्यादि।

प्रक्रिया

- साधनसेवी प्रयास गणित, भाग–2 पाठ्यपुस्तक के आवंटित पाठों को निम्न बिन्दुओं के आलोक में पाठ–प्रदर्शन के लिए तैयार करें।
  - अधिगम बिन्दु क्या है?
  - इसकी गतिविधि और टी.एल.एम. क्या होंगे?
  - इसकी प्रक्रिया क्या होगी?
- साधनसेवी पूरे सदन को आठ समूहों में विभाजित करें और निम्न बिन्दुओं के आलोक में पाठ तैयार करने को कहें –

समूह संख्या 01	–	पाठ 01 से 03 तक
समूह संख्या 02	–	पाठ 04 से 05 तक
समूह संख्या 03	–	पाठ 6
समूह संख्या 04	–	पाठ 7
समूह संख्या 05	–	पाठ 8
समूह संख्या 06	–	पाठ 9 और 13
समूह संख्या 07	–	पाठ 10 से 12
समूह संख्या 08	–	पाठ 14 और 15

- प्रत्येक समूह को 20 मिनट का समय आवंटित किया जाए।
- प्रत्येक समूह आवंटित पाठों में से किसी एक का चयन कर पाठ–प्रस्तुति करें।
- प्रत्येक समूह के प्रस्तुति के पश्चात् सदन में चर्चा की जाए और साधनसेवी उभरे बिन्दुओं का विश्लेषण करते हुए समेकित करें।

दूसरा सत्र

प्रयास गणित भाग–2 की पाठ प्रस्तुति की तैयारी।

रात्रि कार्य : पाठ प्रस्तुति की तैयारी।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:42 PM Page 18

चौथा दिन

चेतना सत्र – पूर्व निर्देश के आलोक में।

प्रथम सत्र

प्रयास गणित भाग–2 : पाठ प्रस्तुति एवं चर्चा

दूसरा सत्र

अंग्रेजी भाषा का महत्त्व–2

उद्देश्य

- अंग्रेजी भाषा के महत्त्व और उपयोगिता से परिचित कराना।
- अंग्रेजी भाषा को दैनिक जीवन में प्रयोग की ओर उन्मुख करना।
- अंग्रेजी बोलने में झिझक समाप्त करना।
- एक ही पाठ को विविधि ढँग से देखने की क्षमता उत्पन्न करना।

सामग्री

- फ्लैश कार्ड

प्रक्रिया

गतिविधि–1

- बारी–बारी से दो गतिविधियों के माध्यम से विषय–वस्तु स्पष्ट करें।
- साधानसेवी दो प्रतिभागियों को चिह्नित कर उन्हें फ्लैश कार्ड पर अंकित स्थिति को पढ़कर अभिनय करने का निर्देश दें तथा 'LAVOTORY' लिखा हुआ एक फ्लैश कार्ड सदन में तदनुसार टाँग दें। दोनों प्रतिभागियों को निम्नांकित स्थिति को अभिनय द्वारा प्रस्तुत करने का निर्देश दें। सभी प्रतिभागियों को अवलोकन करने को कहें।

स्थिति

एक व्यक्ति जिसे अंग्रेजी नहीं आती है वह 'LAVOTORY' के सामने खाड़ा होकर शौचालय की तलाश करता है और न मिलने पर परेशान होता है। दूसरा व्यक्ति जो अंग्रेजी जानता है वह शौचालय की तलाश में आता है और 'LAVOTORY' लिखा देख उसमें घुस जाता है। थोड़ी देर बाद वह निपट कर बाहर आता है और बाहर खड़े व्यक्ति से उसकी परेशानी पूछता

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:42 PM Page 19

है और उसे 'LAVOTORY' की ओर इशारा करता है। दूसरा व्यक्ति आश्चर्य एवं खुशी से 'LAVOTORY' में प्रवेश करता है।

गतिविधि–2

अब साधनसेवी श्यामपट पर निम्न निर्देशों को अंकित करें –

* Go ahead 50 meters towards north.
* Take left and go ahead about 100 meters.
* Take right and go ahead 1/2 k.m.
* You will find a library at right arm.
* Just behind library museum is situated.

प्रतिभागियों को निर्देश दें कि उक्त निर्देश के आलोक में अपनी कॉपी पर रेखाचित्र खींचते हुए गंतव्य तक पहुँचें। इसके लिए प्रतिभागियों को 10 मिनट का समय दें। तदुपरांत उनकी प्रस्तुति कराएँ। कुछेक प्रतिभागी से श्यामपट पर भी प्रस्तुति कराएँ।

साधनसेवी प्रतिभागियों से प्रश्न करें कि दोनों गतिविधियों में किसको कठिनाई हो रही थी, और क्यों?

पुन: प्रश्न रखें कि कई जगहों पर लिखे निम्न शब्द/वाक्य हमारी किस तरह मदद करते हैं यथा – Exit / Toilet / TO-LET / May I help you.

प्राप्त उत्तरों को समेकित करते हुए यह स्पष्ट करें कि हमारे जीवन में अंग्रेजी भाषा का काफी महत्त्व है और इसकी उपयोगिता दैनिक जीवन में काफी है। रेलवे, कम्प्यूटर, अस्पताल आदि जगहों पर यह अपरिहार्य है। विदेशों में तो यह हमारी पहली आवश्यकता बन जाती है। यह अन्तर्राष्ट्रीय भाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में स्थापित है। प्रतिभागियों से Thank You, Welcome, Good Bye, O.K., Good Morning, Allow जैसे शब्दों के जीवन में इस्तेमाल और प्रभाव की चर्चा करें।

अब साधनसेवी प्रतिभागियों को निर्देश दें कि सभी प्रतिभागी बारी–बारी से अपना नाम इस प्रकार से बताएँ – My Name is.....

इस प्रक्रिया के बाद इसे आगे बढ़ाते हुए साधनसेवी प्रतिभागियों को निर्देश दें कि अब सभी प्रतिभागी बारी–बारी से इस तरह परिचय दें। My Name is..... I live in ..... My Father's / Mother's Name is .....

सभी प्रतिभागियों के कहने के साथ ही सभी प्रतिभागियों को एक दूसरे को Thank You और Welcome कहने का निर्देश दें। इस गतिविधि के बाद साधनसेवी सभी प्रतिभागियों को Thank You कहें। प्रत्युत्तर में स्वाभाविक रूप से प्रतिभागियों से Welcome कहने की आशा करें। ऐसा न होने पर उन्हें कहने को प्रेरित करें। तदुपरान्त

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:43 PM Page 20

समयानुसार Good Night / Good Evening / Good Day कहते हुए सत्र को स्थगित करें।

गतिविधि-3

Prayas English Part-2 की तैयारी

उद्देश्य

- Prayas English Part-2 में निहित दक्षताओं से अवगत कराना।
- पाठ को प्रस्तुत करने के विभिन्न तरीकों से परिचित कराना।
- शिक्षण अधिगम सामग्री, सीखने में सहायक है, की समझ देना।
- एक ही पाठ को विविधि ढँगों से देखने की क्षमता उत्पन्न करना।

सामग्री

- Prayas English Part-2 की आठ प्रतियाँ।

प्रक्रिया

- प्रतिभागियों को आठ लघु समूहों में विभक्त कर निम्नवत् कार्य का बँटवारा कर दें।

समूह संख्या		निर्धारित कार्य
समूह संख्या 01	–	पाठ 01 से 02
समूह संख्या 02	–	पाठ 03 से 04
समूह संख्या 03	–	पाठ 05 + 06
समूह संख्या 04	–	पाठ 07 + 08
समूह संख्या 05	–	पाठ 09 + 10
समूह संख्या 06	–	पाठ 11 + 12
समूह संख्या 07	–	पाठ 13
समूह संख्या 08	–	पाठ 14

समूह एवं कार्य-विभाजन के पश्चात् प्रत्येक समूह को निम्न बिन्दुओं के

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:43 PM Page 21

आलोक में कार्य करने हेतु निर्देश दें :-

- प्रत्येक पाठ को उसके अभ्यास से समेकित कर पाठ प्रस्तुति की तैयारी करें।
- पाठ को पढ़ने के उपरान्त बच्चे क्या-क्या सीखेंगे अर्थात् उनमें किन-किन दक्षताओं का विकास होगा? सूची बनाइए।
- उक्त पाठ / पृष्ठ को पढ़ाने हेतु किन-किन सहायक शिक्षण अधिगम सामग्रियों की आवश्यकता पड़ेगी? सूची बनाइए।
- प्रदत्त पृष्ठ के पाठों की प्रस्तुति करके दिखाइए कि उन्हें बच्चों को कैसे सिखाएँगे? एक से अधिक अधिगम बिन्दु के अलग-अलग पृष्ठ की प्रस्तुति एक ही समूह के अलग-अलग व्यक्ति करेंगे।

  तैयारी हेतु पाँच मिनट का समय दें जिसमें समूह का प्रत्येक व्यक्ति मिलकर विकसित दक्षताओं की सूची, शिक्षण-सामग्रियों की सूची एवं प्रस्तुति की तैयारी करेंगे तथा प्रस्तुति के क्रम में उभरे बिन्दुओं पर चर्चा करें।

रात्रि कार्य : प्रयास English Work-Book का अध्ययन।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:43 PM Page 22

पाँचवाँ दिन

चेतना सत्र – पूर्व निर्देश के आलोक में।

प्रथम सत्र

अंग्रेजी–पाठ प्रस्तुति एवं उसपर चर्चा

द्वितीय सत्र

बच्चो की प्रगति, मुख्य धारा से जुड़ाव एवं चाइल्ड ट्रैकिंग

उद्देश्य

- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का महत्त्व एवं स्वरूप की चर्चा करना।
- बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने एवं उसकी प्रक्रिया से अवगत कराना।
- उपचारात्मक शिक्षण की प्रक्रिया एवं आवश्यकता से परिचित कराना।
- एक ही पाठ को विविध तरीकों से देखने की क्षमता उत्पन्न करना।

प्रक्रिया

साधनसेवी केन्द्र के बच्चों की प्रगति, मुख्य धारा से जुड़ाव एवं चाईल्ड ट्रैकिंग पर संभाषण विधि से बड़े समूह में गहन चर्चा कराएँ तत्पश्चात प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित करें तथा निम्नवत् कार्य का वितरण करें:–

समूह संख्या		**प्रदत्त कार्य**
01	–	मूक अभिनय
02	–	रोल प्ले
03	–	रोल प्ले

अब, साधनसेवी निम्न स्थितियाँ लिखें एक फ्लैश कार्ड वितरित कर तैयारी करने का निर्देश दें। वांछित सामग्री भी तैयार करने का निर्देश दें।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:43 PM Page 23

स्थिति-i (मूक अभिनय हेतु)

शिक्षक वर्ग-कक्ष में बच्चों को पढ़ा रहे हैं। कुछ देर के बाद **दैनिक मूल्यांकन** लिखा फ्लैश कार्ड बच्चों को दिखाते हैं। श्यामपट्ट पर एक प्रश्न अंकित कर बैठ जाते हैं। कुछ देर के बाद बच्चों की कॉपी देखाते हैं। पुन: कुछ देर पढ़ाते हैं। अब **साप्ताहिक मूल्यांकन** लिखा फ्लैश कार्ड दिखाकर पूर्ववत् प्रक्रिया दुहराते हैं। इसी प्रकार **मासिक एवं सत्रीय मूल्यांकन** का अलग-अलग फ्लैश कार्ड दिखाकर भी पूर्ववत् गतिविधियाँ करते हैं। साप्ताहिक मूल्यांकन के पश्चात् **प्रपत्र 'घ'**, मासिक मूल्यांकन के पश्चात् **प्रपत्र 'छ'** एवं सत्रीय मूल्यांकन के पश्चात् **प्रपत्र 'ज'** भरकर प्रदर्शित करते हैं। मासिक एवं सत्रीय मूल्यांकन में प्रश्न-पुस्तिका-सह-उत्तर पुस्तिका का उपयोग करते हैं।

स्थिति-ii (रोल प्ले हेतु)

एक व्यक्ति जिसकी शर्ट पर स्वयं सेवक का फ्लैशकार्ड लगा है। बच्चों को आवाज़ देकर अपने पास बुलाता है। यह जानकारी देता है कि आज मैं आप लोगों का नामांकन करवाने विद्यालय ले चलता हूँ। वह सभी को लेकर विद्यालय पहुँचता है। स्कूल में बैठे प्रधान शिक्षक बच्चों का नामांकन कर रहे हैं। स्वयंसेवक बच्चों से प्रधानाध्यापक का परिचय करवाते हैं। सभी बच्चे प्रधानाध्यापक का अभिवादन करते हैं। प्रधान शिक्षक बच्चों से कुछ सामान्य प्रश्न करते हैं तथा सही उत्तर पाकर उत्साहित करते हैं तथा सभी का नामांकन कर वर्ग कक्ष में भेजते हैं।

स्थिति-iii (रोल प्ले हेतु)

एक व्यक्ति कुछ बच्चों को लेकर विद्यालय आते हैं। घर-घर जाकर लगातार स्कूल नहीं जानेवाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। पुन: सभी बच्चों को एक जगह बैठाकर पढ़ाते हैं। शिक्षक से प्रत्येक बच्चे की शैक्षिक स्थिति की चर्चा करते हैं। कमज़ोर प्रगति वाले बच्चों पर ज़्यादा ध्यान देते हैं।

अब प्रत्येक समूह की प्रस्तुति कराएँ। तदु परांत, प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के पश्चात् पूछें कि - उक्त प्रस्तुति में क्या हो रहा था?

प्रतिभागियों के विचारों को अंकित कर एवं निम्न बिन्दुओं के आलोक में चर्चा को समेकित करें।

स्थिति-i

- मूल्यांकन शैक्षिक प्रक्रिया का अभिन्न अंग है।
- केन्द्र के बच्चों का दैनिक, साप्ताहिक, मासिक एवं सत्रीय मूल्यांकन किया जाना है।

- सभी मूल्यांकन लिखित होंगे।
- साप्ताहिक मूल्यांकन प्रत्येक शनिवार को होगा।
- मूल्यांकन के पश्चात् बच्चों को A, B, C एवं D ग्रेड दिया जाएगा। D ग्रेड को औसत से नीचे माना जाएगा।
- बच्चों की प्रगति से माताओं को अवगत कराया जाएगा तथा इसे प्रपत्र 'घ' में संधारित किया जाएगा।
- मासिक एवं सत्रीय मूल्यांकन के लिए प्रश्न-पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों के सहयोग से बनाया जाएगा।
- सभी बच्चों की प्रगति चार्ट पेपर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

स्थिति-ii

- सत्रीय मूल्यांकन के पश्चात् बच्चों का नामांकन कक्षा-vi में छात्रों की योग्यता के अनुसार करवाया जाएगा।
- नामांकन के दिन विद्यालय में उत्सव का माहौल होगा।
- इस अवसर पर विद्यालय के विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य, माता समिति, शिक्षा स्वयं सेवक, पंचायत के मुखिया भी उपस्थित होंगे।

स्थिति-iii

- उपचारात्मक शिक्षा हेतु चयनित स्वयं सेवक घर-घर जाकर बच्चों को बुलाकर विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति प्रतिदिन सुनिश्चित करेंगे।
- केन्द्र के बच्चों की दक्षता भी अन्य नामांकित बच्चों जितनी हो जाए, इसके लिए प्रतिदिन 2 घंटे ट्यूशन देना।
- ट्यूशन का समय विद्यालय अवधि के पूर्व या बाद में होगा।
- विद्यालय में किये गए कक्षा-कार्य का अवलोकन एवं गृह-कार्य करवाना।
- बच्चों की प्रगति एवं नियमित उपस्थिति का अवलोकन।

सभी प्रस्तुतियों के उपरांत साधनसेवी चर्चा को समेकित करें कि स्वयंसेवक का प्रमुख कार्य छात्रों की दक्षता में वृद्धि हेतु प्रयास करना, नियमित केन्द्र संचालन कर बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन एवं निहित प्रपत्र में उसे संधारित करना है। सत्र-समाप्ति के पश्चात् उन सभी बच्चों का नामांकन संबंधित विद्यालय में करवाना है। उपचारात्मक शिक्षा हेतु चयनित स्वयंसेवक का यह दायित्व है कि वे इन सभी बच्चों की उपस्थिति विद्यालय में नियमित रूप से सुनिश्चित करने के साथ-साथ दक्षता संवर्द्धन हेतु प्रतिदिन 2 घंटे ट्यूशन भी देना है। प्रत्येक बच्चे की ट्रैकिंग तब तक करनी है जब तक कि वे नियमित रूप से विद्यालय नहीं आने लगे। यह प्रक्रिया 3 माह तक अपनाई जाएगी।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:44 PM Page 25

परिशिष्ट – ।

भाषा के पाठों में सन्निहित पर्यावरण के तथ्य

क्रम सं.	शीर्षक	पर्यावरण शिक्षण के संभावित बिन्दु (विषय–वस्तु की समझ, प्रश्न एवं क्रियाशीलन के माध्यम से)
1.	प्रार्थना	विषय–वस्तु – जीवन मूल्य – तन हो सुन्दर, मन हो सुन्दर। प्रश्न – आपको क्या–क्या सुन्दर लगता है? क्रियाशीलन – कविता का बार–बार वाचन एवं गेय बनाते हुए अभ्यास कराना।
2.	हमारा गाँव	गाँव के पर्यावरण की जानकारी – ग्रामीण बच्चों के आस–पास की जानकारी से संबंधित है। गाँव की नदी (जल–स्रोत) पेड़–पौधे इत्यादि की जानकारी। प्रश्न – गाँव में अगर बहुत सारे पेड़–पौधे नहीं हो, तो क्या होगा? क्रियाशीलन – गाँव का नजरी नक्शा बनाना इसमें गाँव की नदी रास्ते, जलस्रोत, विद्यालय आदि का दिखाना। – इस नजरी नक्शा पर चर्चा करें। सूची बनाए – गाँव की फसल – गाँव के फल/फूल – गाँव के पालतु जानवर
3.	मेहनती किसान (कथा)	विषय–वस्तु – किसान की मेहनत एवं कृषि–कार्य की जानकारी प्रश्न – अगर किसान खेतों में काम नहीं करें तो क्या होगा? क्रियाशीलन – किसान खेती के दौरान जो कार्य करते हैं, उनकी सूची बनाइए।
4.	पतंग (कविता)	विषय–वस्तु – पतंग का हवा के साथ क्या सम्बन्ध है? प्रश्न – पतंग बनाने में किस–किस सामग्री का उपयोग

			होता है।
		क्रियाशीलन	– बच्चों से रंग-बिरंगी पतंगे बनवायें।
5.	दोस्ती	विषय-वस्तु	– दोस्ती के मूल्य की समझ
			– मित्र, साथियों की संगति के दौरान आनन्द की अनुभूति की समझ।
		प्रश्न	– मन के सुन्दर होने या बड़ा होने से क्या समझते हैं?
		क्रियाशीलन	– दोस्ती पर एक नाटक तैयार कर इसकी प्रस्तुति करें।
6.	तितली और कली (कविता)	विषय-वस्तु	– तितली और फूलों के बीच के संबंध को जानना।
		प्रश्न	– हमारे जीवन में तितली और फूलों का क्या महत्त्व है?
		क्रियाशीलन	– कविता को लयबद्ध रूप में गाना।
7.	अधिक बलवान कौन? (कविता)	विषय-वस्तु	– हवा और सूरज का महत्त्व बताना।
		प्रश्न	– आपकी नज़र में सबसे अधिक बलवान कौन है? हवा या सूरज? अपने उत्तर का कारण बताएँ?
		क्रियाशीलन	– 'अधिक बलवान कौन?' कहानी पर एक नाटक तैयार कीजिए और इसे अपने सहपाठियों के बीच खोलिए।
8.	गाज़र (कविता)	विषय-वस्तु	– गाज़र के गुणों की पहचान करना।
		प्रश्न –	– गाज़र से क्या-क्या बनता है?
			– गाज़र किस ऋतु में उपजती है?
		क्रियाशीलन	– जाड़े की ऋतु के समय पैदा होने वाली सब्ज़ियों की सूची बनाइए।
9.	अक्ल बड़ी या भैंस? (चित्रकथा)	विषय-वस्तु	– अक्ल तथा ताक़त की तुलना करना।
		प्रश्न	– इस चित्रकथा में भैंस का मतलब क्या है?
			– इस चित्रकथा में किस प्रकार अक्ल को ताक़त

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:44 PM Page 27

		से बड़ा बताया गया है ?
	क्रियाशीलन	– इस चित्रकथा का अन्तिम चित्र देखकर इस पर तीन पंक्तियाँ लिखिए। – इस चित्रकथा के अनुरूप हाव–भाव के साथ मूक अभिनय करें।
10. दिशाएँ	विषय–वस्तु	– सूर्योदय के माध्यम से बच्चों को दिशा का ज्ञान (वार्त्तालाप) देना।
	प्रश्न	– धरती हमें घूमती हुई क्यों नहीं लगती है ?
	क्रियाशीलन	– कक्षा में बच्चों को पूरब की तरफ मुँह करके खड़ा कराएँ तथा इसके माध्यम से दिशा का ज्ञान दें। – वार्त्तालाप के रूप में बच्चों से पाठ का वाचन कराएँ।
11. एक किरण (कविता)	विषय–वस्तु	– भोर का वर्णन / भोर की शोभा को बताना।
	प्रश्न	– सुबह होने पर आप क्या–क्या देखते हैं ?
	क्रियाशीलन	– कविता को बच्चों के साथ गा कर सुनाना। – भोर / सुबह का चित्र बनाना जिसमें खिले हुए फूल, उड़ती चिड़िया और उगता हुआ सूरज दिखाई दे। बने हुए चित्रों में रंग भरें।
12. एक साथ तीन सुख (चित्र–कथा)	विषय–वस्तु	– कथा के माध्यम से वस्तुओं के गुण बताना।
	प्रश्न	– ऐसे फलों के नाम बताइए जो मीठे हों, और जिससे प्यास भी बुझती हो।
	क्रियाशीलन	– ऐसे फलों की सूची बनाइए जो मीठे हों तथा देखने में बहुत (गुच्छों) सारे एक साथ दिखाई दे। – ग्रीष्म ऋतु में पाये जानेवाले फलों की सूची बनाइए।
13. सौदागर और गधा	विषय–वस्तु	– कथा के माध्यम से वस्तुओं के गुण एवं

	(कथा)		विशेषताएँ जानना, जैसे नमक एवं रुई।
		प्रश्न	– बोझ ढोनेवाले जानवरों के नाम बताइए।
			– गधा और घोड़ा में क्या अन्तर है?
		क्रियाशीलन	– नीचे दिए गये जानवरों की सूची बनाइए :
			– छोटे–छोटे जानवर –
			– मध्यम आकार वाले जानवर –
			– खेती एवं ऊँचे (लम्बे) आकार वाले जानवर।
		मूल्यबोध	– हमें अपने कर्त्तव्य पर डटे रहना चाहिए।
14.	जुगनू	विषय–वस्तु	– जुगनू की विशेषताएँ जानना।
	(कविता)	प्रश्न	– यदि आप जुगनू बन जाएँ तो क्या करेंगे?
		क्रियाशीलन	– कविता का हाव–भाव के साथ प्रस्तुतीकरण।
			– ऐसे पदार्थों / पिण्डों की सूची बनाइए जो प्रकाश फैलाते हैं।
15.	गौरैया	विषय–वस्तु	– गौरैया चिड़िया के रंग–रूप, रहन–सहन तथा क्रिया–कलाप को जानना।
	(निबंध)	प्रश्न	– आप गौरैया होते तो क्या–क्या करते?
		क्रियाशीलन	– गौरैया की तरह उड़ कर दिखाइए और बोलकर सुनाइए।
			– गौरैया जैसी छोटी–छोटी चिड़ियों की सूची बनाइए।
16.	बहुत हुआ	विषय–वस्तु	– बरसात के मौसम की जानकारी
	(कविता)	प्रश्न	– बरसात में जल–जमाव से क्या–क्या कठिनाइयाँ होती हैं?
			– जल–जमाव से कौन–कौन सी बीमारियाँ फैलती हैं?
			– धान की खेती वर्षा ऋतु में क्यों होती है?
		क्रियाशीलन	– कविता को हाव–भाव के साथ सुनाना। वर्षा से संबंधित चित्र बनाना।
			– वर्षाऋतु में उपजाई जानेवाली सब्ज़ियों एवं

फसलों की सूची बनाना।

17.	श्रम और घन (कथा)	विषय-वस्तु	– सम्राट अशोक के हृदय परिवर्तन की कथा जानना।
		मूल्यबोध	– हर रत्न पत्थर होता है, किन्तु चक्की रोज़ी-रोटी देने वाला पत्थर है। रत्न केवल हाथ की अँगुलियों की शोभा बढ़ाता है। रत्न के लिए युद्ध होते हैं, व्यक्ति मृत होते हैं। लेकिन चक्की भोजन की सामग्री तैयार करती है।
		प्रश्न	– रत्न और चक्की वाले पत्थर में क्या समानता है?
			– रत्न और चक्की वाले पत्थर में क्या अन्तर है?
			– सम्राट और राजा में क्या अन्तर है?
			– बौद्धभिक्षु क्या करते हैं?
		क्रियाशीलन	– पत्थर से बनी घरेलू उपयोग की सामग्रियों की सूची बनाइए।
			– आपने अभी तक जितने रत्नों को देखा और सुना है – उनकी सूची बनाइए।
			– इस कहानी को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करें-कराएँ।

18.	चित्र	विषय-वस्तु	– चित्र का अवलोकन करना एवं इसकी बारीकियों को समझना।
		प्रश्न	– अगर आप उड़कर चाँद-तारों के बीच घूम रहे होते तो क्या-क्या करते?
			– चाँद और तारे में क्या अन्तर है?
			– ग्रह, उपग्रह एवं तारे में क्या अन्तर है?
		क्रियाशीलन	– सरल एवं वक्र रेखाओं तथा गोले के माध्यम से विभिन्न प्रकार के चित्र बनाएँ-बनवाएँ।
			– बने हुए चित्रों में रंग भरना।
			– एक बालिका और एक बालक का चित्र बनाएँ।
			– नीचे दी गयी वस्तुओं के चित्र बनाएँ –

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:45 PM Page 30

(क) (i) एक फूल
(ii) गमले में खिला फूल
(ख) (i) घर
(ii) घर के आगे बालक- बालिका
(ग) (i) एक पौधा
(ii) जमीन पर पौधा रोपते बालिका-बालक

- चित्र देखकर कहानियाँ लिखने का अभ्यास।
- निम्नलिखित पर छोटी-छोटी चार पक्तियों की कविताएँ लिखें -

(क) फूल
(ख) चिड़ियाँ
(ग) तारे
(घ) जुगनू
(च) वर्षा इत्यादि

ध्यातव्य -

ऊपर अंकित विषय-वस्तु, प्रश्न और क्रियाशीलन आदि साधनसेवी एवं केन्द्र के शिक्षकों को सीखाने-सिखाने की प्रक्रियाओं के तहत कार्य करने हेतु एक दिशा-निर्देश के तौर पर संक्षिप्त रूप में दिए जा रहे हैं। परन्तु ये सभी मात्र कुछ संकेत हैं। साधनसेवी इससे बंधे हुए नहीं हैं। इससे मात्र कुछ सहयोग लेकर तथा शिक्षण के दौरान नयी-नयी गतिविधियाँ निर्मित करें। विषय-वस्तु की समझ बनाना, प्रश्न पूछना तथा क्रियाशीलन सभी के सभी शैक्षिक गतिविधियों के स्वरूप के बतौर ही दिए गये हैं। इसका सम्यक प्रयोग करना शिक्षण को प्रभावशाली बनाएगा - ऐसी आशा है।

प्रयास भाग-2 भाषा की पुस्तक के रूप में विकसित की गयी है। ऊपर दी गयी सूची इसी पुस्तक के सभी 18 पाठों को पर्यावरण के परिपेक्ष्य में उपयोग करने हेतु दी जा रही है। साधनसेवियों तथा केन्द्र के शिक्षकों के सहयोग एवं नवाचार के माध्यम से इसी पुस्तक का उपयोग पर्यावरण अध्ययन के विषयों की जानकारी देने हेतु किया जा सकता है।

पर्यावरण अध्ययन से संबंधित कुछ क्रमवार गतिविधियाँ

स्वयं को जानना -

- शरीर को सुन्दर बनाने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?
- अपने मन को सुन्दर बनाने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?
- बच्चों को कई समूहों में बाँटकर चर्चा करना कि वे अपने अंगों की सफाई कैसे करते

हैं? इसमें मिट्टी, साबुन, गमछा, तौलिया, दातुन, ब्रुश, मंजन, पेस्ट आदि कौन-कौन सी वस्तुएँ इस्तेमाल करते हैं? सभी वस्तुओं की सूची बनाना एवं उनके उपयोग के बारे में चर्चा करना।

- ज्ञानेन्द्रियों की पहचान एवं उनके कार्य पर बात-चीत करना।

अपने आस-पास / पड़ोस / परिवार की जानकारी -

- आस-पास के पेड़-पौधों का अवलोकन।
- पौधों का समय एवं मौसम के अनुसार वर्गीकरण करना, उनकी पत्तियों को एकत्र करना तथा इनके बीच अन्तर को ढूँढ़ना।
- पेड़-पौधों से प्राप्त होनेवाले फल-फूल, सब्ज़ियों तथा जड़ी-बूटियों की सूची बनाना।
- आस-पास के जन्तुओं के खाने की आदतों, संरचना एवं आवास के आधार पर वर्गीकृत करना।
- कल्पना और चिन्तन करना कि अगर पेड़-पौधे नहीं होते तो क्या होता?

गाँव / मुहल्ला / शहर / जिला की जानकारी -

- अपने घर, विद्यालय / केन्द्र एवं गाँव का नजरी नक्शा बनाना।
- जिले में कृषि क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं की सूची एवं इसके उपयोग को जानना।
- जिले के कल-कारखानों एवं उद्योगों की सूची बनाना।
- जिले के दर्शनीय स्थान, ऐतिहासिक स्मारक, पहाड़, वन, खनिज इत्यादि को जिले के मानचित्र में खोजना।
- जिले के मानचित्र में प्रखंडों की स्थिति को देखना उसके मुख्यालयों की सूची बनाना।

विश्व एवं ब्रह्माण्ड की जानकारी

- सूर्य, चाँद, तारों का अवलोकन एवं इस पर चर्चा करना।
- सूर्य, चाँद एवं ग्रहों के बीच के अन्तर को समझना।
- सूर्य, चाँद एवं तारों के चित्र बनाना एवं इसमें रंग भरना।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:45 PM Page 32

प्रपत्र – 'घ'

साप्ताहिक प्रगति पत्रक चार्ट

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र का प्रकार.....

विद्यालय का नाम..... प्रारम्भ की तिथि .....

संकुल का नाम ..... प्रखंड का नाम.....

भाषा

क्रम. सं.	बालक/बालिका का नाम	प्रारम्भिक दक्षता	प्रथम सप्ताह	2रा सप्ताह	3रा सप्ताह	4था सप्ताह	5वाँ सप्ताह	6ठा सप्ताह	7वाँ सप्ताह
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

गणित

क्रम. सं.	बालक/बालिका का नाम	प्रारम्भिक दक्षता	प्रथम सप्ताह	2रा सप्ताह	3रा सप्ताह	4था सप्ताह	5वाँ सप्ताह	6ठा सप्ताह	7वाँ सप्ताह
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

नोट –

1. केन्द्र पर नामांकन के प्रथम दिन स्वयं सेवक के द्वारा सभी बच्चों के प्रारम्भिक दक्षता की जाँच की जाएगी।
2. प्रारम्भिक दक्षता की जाँच निर्धारित टूल्स के आधार पर की जाएगी।
3. भाषा एवं गणित की दक्षता को चार्ट पर निम्नवत् प्रदर्शित किया जाएगा।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:45 PM Page 33

प्रपत्र – 'छ'

मासिक मूल्यांकन प्रपत्र

विशेष प्रशिक्षण केन्द्र का प्रकार..... केन्द्र प्रारंभ की तिथि .....

विद्यालय का नाम ..... संकुल का नाम .....

प्रखंड का नाम ..... मूल्यांकन का माह एवं तिथि .....

क्र.स.	बालक/बालिका का नाम	भाषा में प्राप्त ग्रेड	गणित में प्राप्त ग्रेड	अंग्रेजी में प्राप्त
ग्रेड				

हस्ताक्षर प्रधानाध्यापक

नोट –

1. मूल्यांकन प्रधानाध्यापक द्वारा प्रत्येक माह किया जाएगा।
2. मूल्यांकन हेतु प्रश्न-पत्र, निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों, पाठ्य-सामग्री एवं मूल्यांकन के माह तक किये गये कार्यों के आधार पर तैयार किये जाएँगे।
3. मूल्यांकन हेतु ग्रेड मार्गदर्शिका में वर्णित निदेश के अनुसार दिये जाएँगे।
4. मासिक मूल्यांकन के क्रम में प्रधानाध्यापक यदि पाते हैं कि केन्द्र पर माह में कार्य कम हुआ है तो शेष कार्य को पूरा करने हेतु आवश्यक लिखित निदेश केन्द्र के स्वयंसेवक को निर्गत करेंगे एवं कार्य पूरा हुआ या नहीं इसका लगातार अनुश्रवण करेंगे। निदेश का अनुपालन नहीं करने वाले स्वयंसेवक पर कार्रवाई भी करेंगे, जो उन्हें केन्द्र से मुक्त करने तक हो सकता है।
5. मासिक मूल्यांकन – प्रतिवेदन, निर्धारित प्रपत्र में संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक को आवश्यक रूप से भेजे जाएँगे।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:45 PM Page 34

परिशिष्ट–IV

प्रपत्र – 'ज'

सत्र मूल्यांकन प्रपत्र

विशेष प्रशिक्षण का प्रकार..... केन्द्र प्रारंभ की तिथि .....

संकुल का नाम ..... प्रखंड का नाम .....

मूल्यांकन की तिथि .....

क्र. स.	बालक/बालिका का नाम	भाषा में प्राप्त ग्रेड	गणित में प्राप्त ग्रेड	अंग्रेजी में प्राप्त ग्रेड	सामान्य विकास में प्राप्त ग्रेड	कक्षा जिसमें नामांकन की अनुशंसा है

^

समन्वयक

हस्ताक्षर
संकुल संसाधन केन्द्र

नोट –

1. सत्रवार मूल्यांकन संकु संसाधन केन्द्र समन्वयक के द्वारा किया जाएगा।
2. मूल्यांकन विषय आधारित तथा छात्रों के समान्य विकास दोनों प्रकार का होगा।
3. मूल्यांकन हेतु प्रश्न–पत्र तैयार करने में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक, पाठ्य–सामग्री आदि का ध्यान रखा जाएगा।
4. प्रत्येक विषय के लिये लिखित मूल्यांकन ग्रेड पर आधारित होगा जिसका विवरण मार्गदर्शिका दिया गया है।
5. समान्य विकास में मौखिक मूल्यांकन तथा व्यक्तित्व विकास, अच्छी आदतें, शिक्षकेत्तर गतिविधियों आदि के लिये भी किया जाएगा।
6. केन्द्र पर सत्र समाप्त होने के 5 दिन पूर्व सत्र मूल्यांकन के लिये सूचना स्वयंसेवक के द्वारा प्रधानाध्यापक के माध्यम से संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक को दी जाएगी। संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक की यह जवाबदेही होगी कि वह निर्धारित समय पर सत्र मूल्यांकन करें।
7. मूल्यांकन में बच्चों को विद्यालय के किस कक्षा में नामांकन योग्य छात्र तैयार है इसकी अनुशंसा की जाएगी।

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:46 PM Page 35

अभियान गीत

लहू का रंग एक है अमीर क्या? गरीब क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

वही है तन, वही है जान कब तलक छुपाओगे?
पहन के रेशमी लिबास तुम बदल न जाओगे।
सभी है एक जाति हम स्वर्ण क्या? अवर्ण क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

गरीब हैं तो इसलिए कि तुम अमीर हो गए।
एक बादशाह हुआ तो सौ फ़कीर हो गए।
ख़ता है सब समाज की, भले बुरे नसीब क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

जो एक है तो फिन न क्यों दिलों का दर्द बाँट लें?
ज़िगर का प्यास बाँट लें लबों की प्यास बाँट लें।
लगा सबको तुम गले हबीब क्या? रक़ीब क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

कोई जने है मर्द तो कोई जनी है औरतें।
शरीर में भले है फ़र्क, रूह सबकी एक है।
एक हैं जो हम सभी विषमता की लकीर क्या?
बने हैं एक ख़ाक से तो दूर क्या? क़रीब क्या?

Training Moduel=PART-II_Edited.qxd 12/16/2013 3:46 PM Page 36